भजन

साहेब के चरणों में आ बैठै हम,लाड ये तेरा निभा देंगे हम
सह लेंगे माया में हर इक सितम,हमपे रहें तेरी नजरें करम

1-हालत दिल की सब जानते हो,क्या हाले दिल मैं सुनाऊं
चोट लगी पर दिल पे जो प्रीतम,तुम बिन मैं किसको दिखाऊं
तुमहीं हो तबीब मेरे, तुम्हीं हो हबीब
कहने को जुदाई पर,हो सेहेरग से नजीक
मुश्किल में कैसी ये आ बैठे हम,हमपे....
2-इतना यकीन.बस दिल को है प्रीतम,हमसे.जुदा हो न सकते
चोट लगे चाहे घायल दिल पे,आशिक तो शिकवा न करते
दर्द में है मजा तेरे,दर्द में है करार
दर्द में ही पिऊ मिलें,दर्द में ही मिलता है प्यार
दर्द ये भी हंस के सह लेंगे हम,हमपे....
3-कहलाये आशिक खेल में आकर,अब आशिकी भी निभा दो
तुझ बिन तेरी रूहें तरसती, प्रीतम ये दूरी मिटा दो
साहेबी देख ली तेरी,क्या है अब कसर
मांगा खेल पा लिया,मांगे अब अर्श
यहीं इल्तजा जब तलक दम में दम,हमपे....